AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी के नौ विषयों की मेरिट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2021-22 के अंतर्गत नौ विषयों की मेरिट लिस्ट बृहस्पतिवार को जारी कर दी। छात्र लिववि की वेबसाइट पर पूर्ण मेरिट लिस्ट देख सकते हैं। जल्द ही उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित छात्रों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया जाएगा। जिन विषयों की मेरिट लिस्ट जारी की गई है उनमें बॉटनी, कॉमर्स, एजुकेशन, इंग्लिश, जियोग्राफी, हिंदी. मेडिवल एंड मॉडर्न हिस्टी. फिजिकल एजुकेशन और साइकोलॉजी शामिल हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

100 से ज्यादा छात्रों को प्रो. आरपी सिंह ने किया था निलंबित

एलयू के पूर्व कुलपति ने पुणे के अस्पताल में आखिरी सांस ली

एलयू के पूर्व

■ **एनबीटी, लखनऊ** : लखनऊ युनिवर्सिटी से छात्र ने वताया कि एलयू के इतिहास में वह महिलाओं राजनीति में आपराधिक तत्वों को परिसर से खदेड़ने को प्रशासनिक पद देने वाले पहले कुलपति हैं। वाले पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह (78 साल) का उन्होंने मुझे चीफ प्रोवोस्ट और डीन छात्र कल्याण

उन्होंने साल 2005 से 2008 तक विवि के कुलपति पद की जिम्मेदारी संभाली। आरपी सिंह अपने पीछे पत्नी सविता सिंह, दो वेटियां और एक वेटे को छोड़ गए हैं। प्रो. सिंह ने पॉलिमर विज्ञान और इंजिनियरिंग में शोध किया और प्रतिष्ठित आईआईटी, खडगपुर में काम करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की।

प्रो. आरपी सिंह

एलय के वरिष्ठ शिक्षकों के मृताविक, आरपी सिंह ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 100 के लिए साइन डाई कर दिया था। विवि से अराजकता से ज्यादा छात्रों का निष्कासन करते हुए तत्कालीन राज्य सरकार के खिलाफ खड़े हुए थे। तव उन्हें तत्कालीन राज्यपाल टीवी राजेश्वर ने समर्थन दिया

पूर्व कुलपति

का निधन

प्रो. आरपी सिंह

गुरुवार को पुणे के अस्पताल में निधन हो गया। वनाया।यह वह समय था जव महिलाओं को एलयू में

प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं दी जाती थी। मुझे उनके साथ रणनीतिकार के रूप में काम करने का सौभाग्य मिला। 'अराजकता और गुंडागर्दी को

खत्म किया': लखनऊ यूनिवर्सिटी टीचर्स असोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और विवि के पूर्व विरिष्ठ शिक्षक डॉ. नीरज कुलपति स्वर्गीय जैन ने वताया कि प्रो. सिंह ने उच्च न्यायालय के सहयोग से विवि में 15 दिन

विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी

सिंह का गुरुवार को सुबह निधन हो गया.

उन्होंने पुणे के एक अस्पताल में अंतिम

सांस ली. वह कई दिनों से अस्वस्थ्य

और गुंडागर्दी को उन्होंने ही खत्म किया। वे कभी भी सत्ता के सामने नहीं झके और अदम्य साहस के धनी थे। वहीं एलयू लोक प्रशासन संकाय प्रो. मनोज था। तब से एलयू में शांतिपूर्ण माहौल रहा। एलयू में दीक्षित ने कहा कि मैंने उनसे वहुत सारे प्रशासनिक अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. निशि पाण्डेय कौशल सीखे।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2021-22 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। साथ ही सीट अलाटमेंट की मेरिट भी जारी कर दी गई है। उपलब्ध सीटों को देखते हुए सापेक्ष सफल अभ्यर्थियों का सीट अलाटमेंट जल्द जारी होगा।

एमबीए और एमटीटीएम का परिणाम घोषितः परास्नातक में एमबीए-एमटीटीएम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत तृतीय सीट आवंटन घोषित कर दिया है। अभ्यर्थियों की लॉगिन पर उपलब्ध है। फीस शुक्रवार तक जमा की जा सकती है।

अध्यक्ष डा. नीरज जैन ने बताया कि इटावा

के रहने वाले प्रो. आरपी सिंह सात जनवरी,

2005 से छह जनवरी, 2008 तक लवि

के कुलपित रहे. उन्होंने अपने कार्यकाल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा फ्रंट एंड डेवलपमेंट विषय पर कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कोडिंग प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के कोडिंग कौशल का परीक्षण करना एवं इंडस्ट्री में प्रयोग होने वाले फ्रंट एंड डेवलपमेंट टूल्स से छात्रों का परिचय कराना था। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

एलयू में कोडिंग प्रतियोगिता आयोजित

JAGRAN CITY PAGE III

विज्ञान विषयों में सीटों से कम योग्य अभ्यर्थी

केमिस्ट्री, फिजिक्स और जूलाजी जैसे कई प्रमुख विषयों में सीटें रह जाएंगी खाली

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे फुल टाइम पीएचडी दाखिले में इस बार विज्ञान के कई प्रमुख विषयों में अहं अध्यर्थी ही नहीं मिले हैं। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद जारी परिणाम से पता चला कि केमिस्ट्री, फिजिक्स, जूलाजी जैसे कई विषयों में सीटों के सापेक्ष सबसे कम अभ्यर्थी पास हुए। वहीं, कुछ विषयों में पहले जारी आंकड़ों के सापेक्ष सीटों की संख्या बढ़ी भी है।

HINDUSTAN PAGE 6

लिव में शैक्षिक सत्र 2021-22 के पीएचडी दाखिले के लिए प्रक्रिया जारी है। अब तक फुल टाइम पीएचडी के लिए 21 विषयों के परिणाम व सीट आवंटन किया जा चका है। इस बार केमिस्टी विषय में 52 सीटों के सापेक्ष 20 अध्यर्थी ही पात्र पाए गए। वहीं, फिजिक्स में में 89 सीटों के लिए 25 अध्यर्थी ही पात्र मिले हैं। अब खाली सीटों को सीटों के सापेक्ष दो, सोशल वर्क पीएचडी के अगले सत्र 2022-23 आठ में से सात अभ्यर्थी ही आई

🧲 इस बार पीएवडी प्रवेश में जो सीटें खाली रहेगी। उन्हें अगली पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल संजय मेधावी. कलसचिव. लखनक

पीएचडी के नौ विषयों के परिणाम जारी लवि ने गुरुवार को पीएचडी प्रवेश के लिए नौ विषयों के परिणाम जारी कर अंग्रेजी, भूगो, हिंदी, मिडीवल एंड

मार्ज हिस्ट्री, फिजिकल एजुकेशन, साइकोलाजी विषय शामिल हैं। संकाय के भी कई विषय ऐसे हैं. जहां पीएचडी की सीटें खाली हैं। वेस्टर्न हिस्ट्री में 25 सीटें निर्धारित की गई हैं। इनमें कम आवेदन आए 98 सीटों पर सिर्फ 24 और जुलाजी थे। सिर्फ नौ अध्यर्थी पीएचडी प्रवेश के लिए सफल हुए। पर्शियन में चार

हो गई। इन पर भी चयन हो गया। एडिशनल एडिमशन कोआर्डिनेटर अनित्य गौरव ने बताया कि यजीसी और पीएचडी अध्यादेश के अनुसार पीएचडी की लिखित परीक्षा में सामान्य वर्ग के लिए 70 अंकों में 35 अंक (50 फीसद) और ओबीसी, एससी के लिए 32 अंक की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया भिले। वहीं, ब्रिजनेस एडिमिनिस्ट्रेशन (45 फीसद) का प्रविधान है। बहुत

डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि

विश्वविद्यालय में पहली बार पोस्ट

ग्रेजएट डिप्लोमा कोर्स शरू किया

गया है। इसमें डिप्लोमा इन साइबर

डिप्लोमा इन इंटलेक्चुअल प्रापर्टी

राइट्स जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

सभी कोर्स में 38-38 सीटों पर प्रवेष

दिया जाएगा । इन पातयकमों में प्रवेश

के लिए 10 नवंबर तक आवेदन करने

पहली मेरिट लिस्ट में 12 नवंबर को

की अंतिम तिथि थी। अब इसकी

जारी की जाएगी। 14 नवंबर को

ला प्रोग्राम, पीजी डिप्लोमा इन मीडिया

विश्वविद्यालय प्रशासन से यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कोर्स में 15 से कम आवेदन आता है तो उस कोर्स को शुरू नहीं किया जाएगा। जिसकी वजह से उन्हें साक्षात्कार मे नहीं शामिल किया गया।

इससे प्रवेश लिए जाएंगे। अगर सीट

रिवत रहती है तो 15 अवट्रबर को

मेरिट जारी की जाएगी। एवेश के बाद

16 नवंबर से कक्षाएं शुरू की जाएगी

ज्वाइंट रजिस्टार संजय दिवाकर

टाइम है, इसे कोई भी कर सकत

है। डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने वाले

में हास्टल की सविधा नहीं मिलेगी।

ह्यात्र-ह्यात्राओं को विश्वविद्यालय

पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए 12 को आएगी मेरिट

आवंटन पूरा : डिफेंस स्टडीज मास कम्युनिकेशन दो, लिंग्विस्टिक दो, मैथमेटिक्स आठ, ओरिएंटल संस्कत दो. एप्लाइड इकोनामिक्स 25, इकोनामिक्स 33, जियोलाजी सात, स्टैटिस्टिक्स 15, फिलासफी

i-NEXT PAGE 4

जुलाजी प्री पीएचडी कोर्स की पढ़ाई १४ से

LUCKNOW (10 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय के जुलाजी विभाग ने प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई शुरू करने की समय सारिणी जारी कर दी. इसकी कक्षाएं 14 नवंबर से शुरू होंगी. विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि कक्षाओं का समय सुबह 10 से 12 बजे, 12 से एक बजे और दोपहर दो सेशाम चार बजे तक होंगी. उन्होंने बताया कि सत्र 2021-22 में विभाग को 25 शोधार्थी मिले हैं. सबसे पहले इनका की प्रक्रिया शुरू होगी.



छह महीने का प्री-पीएचडी कोर्स वर्क शुरू होगा. इस कोर्स में पास होने के बाद पीएचडी के लिए आगे

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

पीएचडी के 9 विषयों का रिजल्ट जारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा सत्र 2021-22 के अंतर्गत 9 विषयों, वनस्पति विज्ञान, व्यापार, शिक्षा, अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास, शारीरिक शिक्षा एवं मनोविज्ञान की पूर्ण मेरिट सूची का रिजल्ट जारी कर दिया है। प्रवेश समंवयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि अभ्यर्थी अपना परिणाम देख लें एवं जल्द ही उपलब्ध सीटों के सापेक्ष चयनित अभ्यर्थियों का सीट एलॉटमेंट जारी कर दिया जाएगा।

जुलाजी प्री पीएचडी कोर्स की पढ़ाई 14 से

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग ने प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई शुरू करने की समय सारिणी जारी कर दी । इसकी कक्षाएं १४ नवंबर से शुरू होंगी । विभागाध्यक्ष प्रो . एम सेराजुद्दीन ने बताया कि कक्षाओं का समय सुबह 10 से 12 बजे, 12 से एक बजे और दोपहर दो सेशाम चार बजे तक होंगी। उन्होंने बताया कि सत्र 2021–22 में विभाग को 25 शोधार्थी मिले हैं। सबसे पहले इनका छह महीने का प्री–पीएचडी कोर्स वर्क शुरू होगा।

PIONEER PAGE 3

नहीं रहे छात्र-नेताओं पर नकेल डालने वाले पूर्व वीसी आरपी सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वर्ष 2005 से वर्ष 2008 का दौर, जब लविवि की कहानी सबह-सबह समाचार पत्रों में पढने को मिलती थी। जिसके आधार पर राजधानी सहित प्रदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय की पहचान होती थी। विवि को इस पहचान से बाहर निकालने वाले विवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का गरुवार को पणे में हृदयगति रूक जाने से उनका निधन हो गया। विवि के कुलपति के रूप में वर्ष 2005 में जिम्मेदारी संभालने वाले प्रो. आरपी सिंह का पूरा कार्यकाल विवादों से



कार्यकाल में टीचर्स-स्टडेंट एक्सचेंज सबसे बडी उपलब्धि यह रही कि महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि छात्रनेताओं से मुक्त कराकर पटरी पर विवि का नाम रौशन कर रहे हैं बल्कि

सिंह की तरफ से इस कार्यवाही को कक्षाएं न लेने का आरोप था। उस वक्त अंजाम दिया गया, जब हालांकि प्रो. सिंह के जाते ही शाम प्रदेश में एक खास पार्टी की सरकार को राजभवन की तरफ से शिक्षकों के थी। प्रो. सिंह ने छात्रनेताओं से निलंबन पर रोक लगा दी गयी थी। निपटने में सरकार से भी पंगा लेने में पीछे नहीं दिखे। इस कार्य को अंजाम मन पर उस वक्त प्रो. आरपी सिंह की तक पहॅचाने के लिए उन्होंने पहली बार विवि में एक माह के लिए शाइनडाई घोषित कर दिया था। विवि विवि के शिक्षक भी राजनीति की के इतिहास में आरपी सिंह ही ऐसे प्रो. आरपी सिंह के द्वारा की गयी नर्सरी के फलने-फूलने से पढ़ाने के कुलपति रहे जिन्होंने इलाहाबाद विवि की सफाई के बाद लगाई गयी नशीली दवाओं, हथियार और वेश्यावत्ति का केन्द्र बन गया है। जिसे कई विदेशी विवि के साथ उनके चलता था। उस दौर में प्रो. सिंह की मुक्त कराना जरूरी है। उस वक्त प्रो प्रदेश की नंबर वन युनिवर्सिटी होने सिंह के बयान पर हाईकोर्ट का कहना उन्होंने विवि को आतंक के दायरे में था कि यदि ऐसी बात है तो फिर यह

LUCKNOW (10 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) के पूर्व

चल रहे थे. विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने में 168 कैडर की नियुक्तियां और लगभग

उनके निधन पर शोध जताया है. लखनऊ 60 कैस के प्रमोशन किए थे.

रास्ता दिखा दिया। खासतीर पर पो भी कर दिया था। इन शिक्षकों पर पर विवि और राजधानीवासियों के छवि आयरन मैन के रूप में उभरी

वर्ष 2005 से 2008 के दौरान

लवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का निधन

विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का गुरुवार को सुबह निधन हो गया। उन्होंने पुणे के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह कई दिनों से अस्वस्थ्य चल रहे थे। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उनके निधन पर शोध

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) के पूर्व अध्यक्ष डा. नीरज जैन ने बताया कि इटावा के रहने वाले प्रो. आरपी सिंह सात जनवरी, 2005 से छह जनवरी, 2008 तक लवि के कुलपति रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में 168 कैडर की नियक्तियां और लगभग 60 कैस के प्रमोशन किए थे। अपने अदम्य साहस के लिए वह में पहली हाफ मैराथन कराने सभी के प्रिय थे। विश्वविद्यालय का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। खत्म करने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। डा. जैन बताते हैं कि प्रो. सिंह ने लिंग दोह समिति के तहत जाना अपर्णीय क्षति है।

चुनाव कराने के लिए सहमति दे दी थी, लेकिन उस समय कई बड़े आरपी सिंह (फाइल नेता फोटो) 🛭 सौ. डा. छात्र

इसको लेकर नीरज जैन सहमत नहीं थे। लगातार हंगामे की वजह से प्रो. आरपी सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय को साइन डाई (अनिश्चितकालीन बंदी) कर दिया था। उस समय 15 दिन विश्वविद्यालय बंद रहा। उन्होंने हास्टल में भी काफी सख्ती की थी। इसके अलावा चार दिसंबर 2005 को लखनऊ विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय में यह आयोजन नहीं हुआ था। उनका दुनिया से लवि के शिक्षक बताते हैं कि प्रो. आरपी सिंह आइआइटी खड़गपुर में मैटीरियल साइंस के प्रोफेसर थे। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों को शोध से जुड़े अपने-अपने प्रोजेक्ट लाने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। विज्ञान के साथ हिन्दी विषय के शिक्षक भी उनके कार्यकाल में शोध कार्यकाल में विदेश भी गए। यही नहीं, कई विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू भी हुए। वह शिक्षकों के इतने प्रिय थे कि जब उनका कार्यकाल खत्म हुआ तो

शोध के लिए किया प्रेरित

आज होगी श्रद्धांजिल सभाः लवि के प्रवक्ता डा . दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया के निधन पर शुक्रवार को शाम चार बजे मंथन हाल में श्रद्धांजलि सभा

विश्वविद्यालय के 50 से 60 शिक्षक

एयरपोर्ट तक विदार्ड देने भी गए थे।

TOI PAGE 2

VC who rid Lucknow University of criminals no more

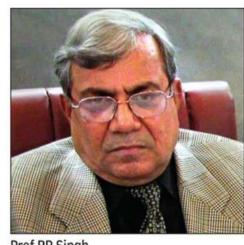
TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Prof RP Singh (78), who as vice-chancellor of Lucknow University (2005-2008) stood up against the then state government to rid the campus of criminal elements in student politics, passed away in a Pune hospital on Thursday. He is survived by his wife Savita Singh, two daughters and a son.

In his early 60s, soon after joining LU, Prof Singh began a criminal cleanliness drive on the campus by implementing Supreme Court guidelines for students' union elections based on the Lyngdoh Committee report. This decision witnessed violent protests from students. The then CM Mulayam Singh Yadav openly supported student leaders. Thereafter, with the permission of the then governor TV Rajeshwar, Singh announced sine die closure of the university, cancelled union elections and expelled over 80 students with criminal records on December 15, 2006.

Tributes poured in from LU teachers soon after the news of his demise. Bursting into tears recalling the work of the VC, Prof Nishi Pandey said, "I have lost my father. In the history of LU, he was the first VC to give women administrative

"He made me a chief provost



Prof RP Singh

and a dean, student welfare in times when women were not given administrative roles on LU campus", she said.

"The first Manjunath Shanmugan Integrity Award was given to Prof Singh in March 2007 by NR Narayanmurthy for his extraordinary courage in cleaning criminals from LU campus and implementing the Lyngdoh committee," she said.

Pandey said when LU hostels were becoming a breeding ground for criminals he formed a strong 52 member disciplinary committee.

"Despite getting life threats, he chided the police and district administration for what he termed their 'non-cooperation' in dealing with the law and order situation in the

LU's era of violence

Between 2004-2005, in just one year, LU witnessed over 100 incidents of violence involving student leaders in which two students were also shot dead. Student leaders with criminal antecedents having the support of the Samajwadi Party, then governing the state, called shots on the campus. The admissions and examinations were reduced to a mockery. Student leaders even used to interfere in administrative matters.

campus. He refused to call student leaders students and termed them criminals. He openly spoke on student leaders and their associates who had been provided armed government guards or gunners and arms licences and they were allowed to roam freely, 'disrupting the academic ambiance'," said physical education faculty (retired) Prof Neeraj Jain.

Former vice-chancellor of Dr Ram Manohar Lohia Avadh University, Faizabad and an LU public administration faculty Prof Manoj Dixit said, "It's an irreparable loss. I learned a lot of administrative acumen from him. He was a man with a vision and a bold decisionmaker."

'He was a Renaissance man with a mission'

Prof Rakesh Chandra

rof Ram Prakash Singh was a Renaissance man with a mission and Lucknow University will remain indebted to him for his contribution that brought this great institution to prominence again. A distinguished polymer scientist and engineer in the field of material science who taught in the USA, Russia, Germany, Italy and IIT Kharagpur, Prof Singh had 11 patents to his name. He was well read and a great connoisseur of Hindi poetry. Also, a man of fine taste in dressing, dining and travel. Brought up in socialist progressive ideology, he was a strong votary of constitutional values of secularism, scientist temper and equality.

Prof Singh's most celebrated achievement in LU is seen as his face-off with the state and aggressive student musclemen whom he refused to call leaders during his term as vice-chancellor.

At that time, he exhibited exemplary courage in the face of death threats and everyday show of muscle from all quarters, including

the media. However, the fact is that as VC, Prof Singh touched every aspect of academia for improvement, faculty exchange, faculty development to student welfare, cultural forums, physical infrastructure, employee welfare, financial regulation and

academic excellence. Major international conferences in Nanotechnology, English, Hindi and Women studies were organized in LU by his inspiration and lasting understandings were formalized with many international universities, including California State University, Long Beach. Faculty exchange and development was high on his agenda. Top scientists, including CNR Rao, RA Mashelkar, K Kasturirangan, Jayant Vishnu Narlikar, visited LU during Prof Singh's tenure because of his personal goodwill.

(The writer is the head of philosophy department of Lucknow University)